SUCCESS KEY TEST SERIES

X (English)

(Unit test-2 Hindi (6,7,8,9,10,11))

Hindi-

DATE:

TIME: 1 Hour 30 Min

MARKS: 40

SEAT NO:

प्र १ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य) **8**

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

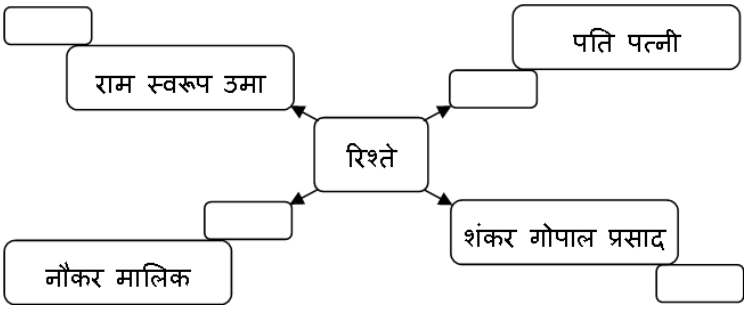

रामस्वरूपः (दरवाजे से बाहर झाँककर) अरे प्रेमा, वे आ भी गए । ... तुम उमा को समझा देना, थोड़ा-सा गा देगी ।
रामस्वरूपःहँ-हँ-हँ । आइए, आइए ! [बाबू गोपाल प्रसाद बैठते है ।] हँ हँ !... मकान ढूँढ़ने में कुछ तकलीफ तो नहीं हुई ?
गो. प्रसादः (खँखारकर) नहीं । ताँगेवाला जानता था । रास्ता मिलता कैसे नहीं?
रामस्वरूपः हँ-हँ-हँ ! (लड़के की तरफ मुखातिब होकर) और कहिए शंकर बाबू, कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?
शंकरः जी, कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं हैं । 'वीक एंड' में चला आया था ।
रामस्वरूपः तो आपके कोर्स खत्म होने में तो अब साल भर रहा होगा?
शंकरः जी, यही कोई साल-दो साल ।
रामस्वरूपः साल, दो साल?
शंकरः हँ-हँ-हँ !... जी एकाध साल का 'मार्जिन' रखता हूँ ।
गो. प्रसादः (अपनी आवाज और तरीका बदलते हुए) अच्छा तो साहब, फिर 'बिजनेस, की बातचीत हो जाए ।
रामस्वरूपः (चौंककर) बिजनेस'?- (समझकर) ओह !... अच्छा, अच्छा। लेकिन जरा नाश्ता तो कर लीजिए ।
गो. प्रसादः यह सब आप क्या तकल्लुफ करते हैं !
रामस्वरूपः हँ-हँ-हँ ! तकल्लुफ किस बात का। यह तो मेरी बड़ी तकदीर है कि आप मेरे यहाँ तशरीफ लाए । (अंदर जाते हैं।)
गो. प्रसादः क्यों, क्या हुआ ?
शंकरः कुछ नहीं ।
गो. प्रसादः झुककर क्यों बैठते हो ? ब्याह तय करने आए हो, कमर सीधी करके बैठो । तुम्हारे दोस्त ठीक कहते हैं कि शंकर की 'बैकबोन'-[इतने में बाबू राम स्वरूप चाय की 'ट्रे' लाकर मेज पर रख देते हैं।]

A2) i) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए :- 1

1) कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं है |

2) गोपालप्रसाद को मकान ढूँढ़ने में तकलीफ हुई।

ii) निम्मलिखित शब्द के लिए प्रश्न लिखिये :- 1

1) ब्याह - .....

२) साल- .....

A3) i) मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए | 1

1) 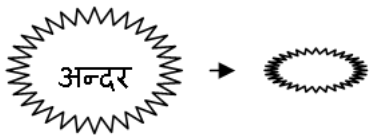

2) 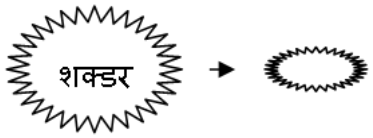

ii) परिच्छेद में प्रयुक्त अंग्रेजी के शब्द लिखिए | 1

i. .....

ii. .....

A4) स्वमत :- 2

'महिलाएँ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं' इस विषय पर 8 से 10 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए |

प्र २ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (पद्य) **6**

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) अगर बैठे गए तो - ☐

2) अँधेरे में इसका भी सहारा रहता है - ☐

3) कवि ऐसी शक्ल देखना चाहते हैं - ☐

4) स्वार्णिम शिखर से भी सुंदर - ☐

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो ।

चल पड़ी तो गर्द बनकर आस्मानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो ।

सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो ।

जिंदगी की शक्ल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो ।

आपको महसूस होगी तब हरइक दिल की जलन,
जब किसी धागे-सा जलकर मोम के भीतर दिखो ।

एक जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो ।

एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो ।

डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो ।

कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखो इस भीड़ में,
मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो ।

A2) उत्तर लिखिए :- 2

1) ये शब्द जिनके उत्तर हों वैसा प्रश्न तैयार कीजिए |
तितली

2) ये शब्द जिनके उत्तर हों वैसा प्रश्न तैयार कीजिए |
भीड़

A3) स्वमत :- 2

आदमी को आदमी बनकर देखने से क्या तात्पर्य है ?

प्र. ३ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए - (गद्य पूरक पठन) **4**

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

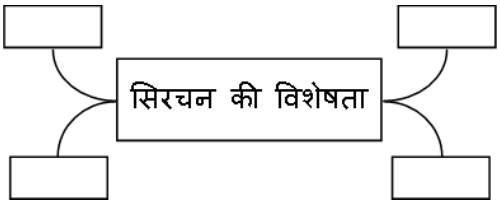

माँ हँसकर कहती, "जा-जा बेचारा मेरे काम में पूजा-भोग की बात नहीं उठाता कभी ।" पड़ोसी गाँव के पंचानंद चौधरी के छोटे लड़के को एक बार मेरे सामने ही बेपानी कर दिया था सिरचन ने -"तुम्हारी भाभी नाखून से खाँटकर तरकारी परोसती है और इमली का रस डालकर कढ़ी तो हम मामूली लोगों की घरवालियाँ बनाती हैं । तुम्हारी भाभी ने कहाँ से बनाना सीखी हैं !"

इसलिए, सिरचन को बुलाने के पहले मैं माँ से पूछ लेता ...। सिरचन को देखते ही माँ हुलसकर कहती, "आओ सिरचन ! आज नेनू मथ रही थी, तो तुम्हारी याद आई । घी की खखोरन के साथ चूड़ा तुमको बहुत पसंद है न... ! और बड़ी बेटी ने ससुराल से संवाद भेजा है, उसकी ननद रूठी हुई है, मोथी की शीतलपाटी के लिए ।"

सिरचन अपनी पनियायी जीभको सँभालकर हँसता-"घी की सौंधी सुगंध सूँघकर ही आ रहा हूँ, काकी ! नहीं तो इस शादी-ब्याह के मौसम में दम मारने की भी छुट्टी कहाँ मिलती है ?"

सिरचन जाति का कारीगर है । मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है । एक-एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता । फिर, कुच्चियों को रँगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त ।... काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठता-"फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम ! सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं ।"

A2) स्वमत :- 2

"देश की आत्मा गाँवो में बसती है"। इस पर 8 से 10 पंक्तियों में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्र.४ अ) १. अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए **1**

पलाश की <u>फलीयाँ</u> पत्तियों के समान होती हैं।

२. निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए **1**

उमा सहसा चुप हो जाती है |

३. सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए **1**

नारायण पूर्व की ओर जाएगा। (सामान्य वर्तमानकाल)

४. निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए **1**

आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए |

५. तालिका पूर्ण कीजिये **2**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i)	महा + आत्मा	.....
ii)	अन् + आसक्त	.....

ब) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए **1**

१. जहाँ चाह होती है, वहाँ राह निकलती है। (सरल वाक्य)

२. **निम्न क्रियाओं के प्रथम एवं द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए** **1**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) खुलना	.....	खुलवाना
ii) मिलना	मिलाना	.....

३. निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए **1**

यहाँ -

४. निम्न क्रियाओं के प्रथम एवं द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए **1**

शब्द	प्रथम प्रेरनार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
रोना	.....	.....

५. कारक भेद लिखिए **1**

फूल माटी में मिल जाएगा|

६. वाक्य में यथास्थान विरामचिन्हो का प्रयोग कीजिये **1**

मेरा मन पूछता है मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है

प्र. ५. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य मे हो| **5**

किसी भी देश या काल के लिए जवान तथा शिक्षक दोनों ही महत्त्वपूर्ण हैं। किसी एक के बिना समाज सुरक्षित नही रह सकता। दोनों ही समाज के रक्षक हैं, किन्तु उनके कार्यों में भिन्नता दिखाई पडती हैं। एक शत्रु से रक्षा करता है तो दूसरा उसे(देश को) समृद्ध बनाता है। फिर भी शिक्षक का उत्तरदायित्व जवान से कहीं बढ़कर है। भावी नागरिक निर्माण करने की जिम्मेदारी शिक्षक के ऊपर है। वह उसके शारीरीक, मानसिक तथा नैतिक विकास का जनक है, जिस पर व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र निर्भर है। शिक्षक के ही द्वारा कोई योग्य सैनिक बन सकता है। आज शिक्षक ने सैनिक धाराओं में क्रांति पैदा कर दी है। हमारे अहिंसक आंदोलन ने दुनिया को दिखा दिया है कि शिक्षक सैनिक से कहीं श्रेष्ठ है। इसे बनावटी शस्त्र की जरूरत नही हैं। इसका आत्मिक बल शस्त्रों से बड़ा है। अगर आने वाली दुनिया इसका अनुसरण करे तो शस्त्रकरण का नामोनिशान भू-पृष्ठ से उठ जायेगा। नैतिक शक्ति का बोल-बाला होगा, सारी दुनिया में एकात्मता की लहर फैलेगी और तब ज्ञान-विज्ञान का निर्माण विकास के लिए होगा, न कि विनाश के लिए।

प्र. ६ निम्नलिखित मुद्दों के आधार से लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए **5**

कपड़े की एक फर्म को गोदाम की आवश्यकता है। एरिया – 500 फीट. संपर्क करे - स्वदेशी मार्केट के पास महेशभाई, महाराजा टेक्सटाइल, कालबादेवी रोड, मुंबई ।